

ये अव्यक्त इशारे

अब अपनी पुरानी नेचर व संस्कारों का परिवर्तन करो

**29-11-2022**

जैसे कोई की विशेष नेचर होती है, उस नेचर के वश न चाहते भी चलते रहते हैं। कहते हैं यह मैं चाहती नहीं हूँ लेकिन मेरी नेचर है। वैसे निरन्तर सहजयोगी अथवा सहयोगी की नेचर बनाओ जो नेचुरल हो जाए। क्या करूँ, कैसे योग लगाऊं यह बातें खत्म। हैं ही सदा सहयोगी अर्थात् योगी। इसी एक बात को नेचर और नेचुरल करने से भी सब सबजेक्ट में परफेक्ट हो जायेंगे।

**Now transform the old nature and old sanskars.**

Some have a particular nature and they continue to move along under the influence of that nature against their conscious wish. They say that they don't want to do that, but that is their nature. In the same way, create the nature of being a constantly easy yogi and a co-operative soul. Then this too will become natural. Now, "What can I do? How can I have yoga?" should all finish. You are constantly co-operative, that is, you are yogi. By making this particular aspect natural and part of your nature, you will become perfect in all subjects.